खण्ड-448, अंक-1
बुधवार, 15 माघ, शक संवत् 1925
(4 फरवरी, 2004 ई0)

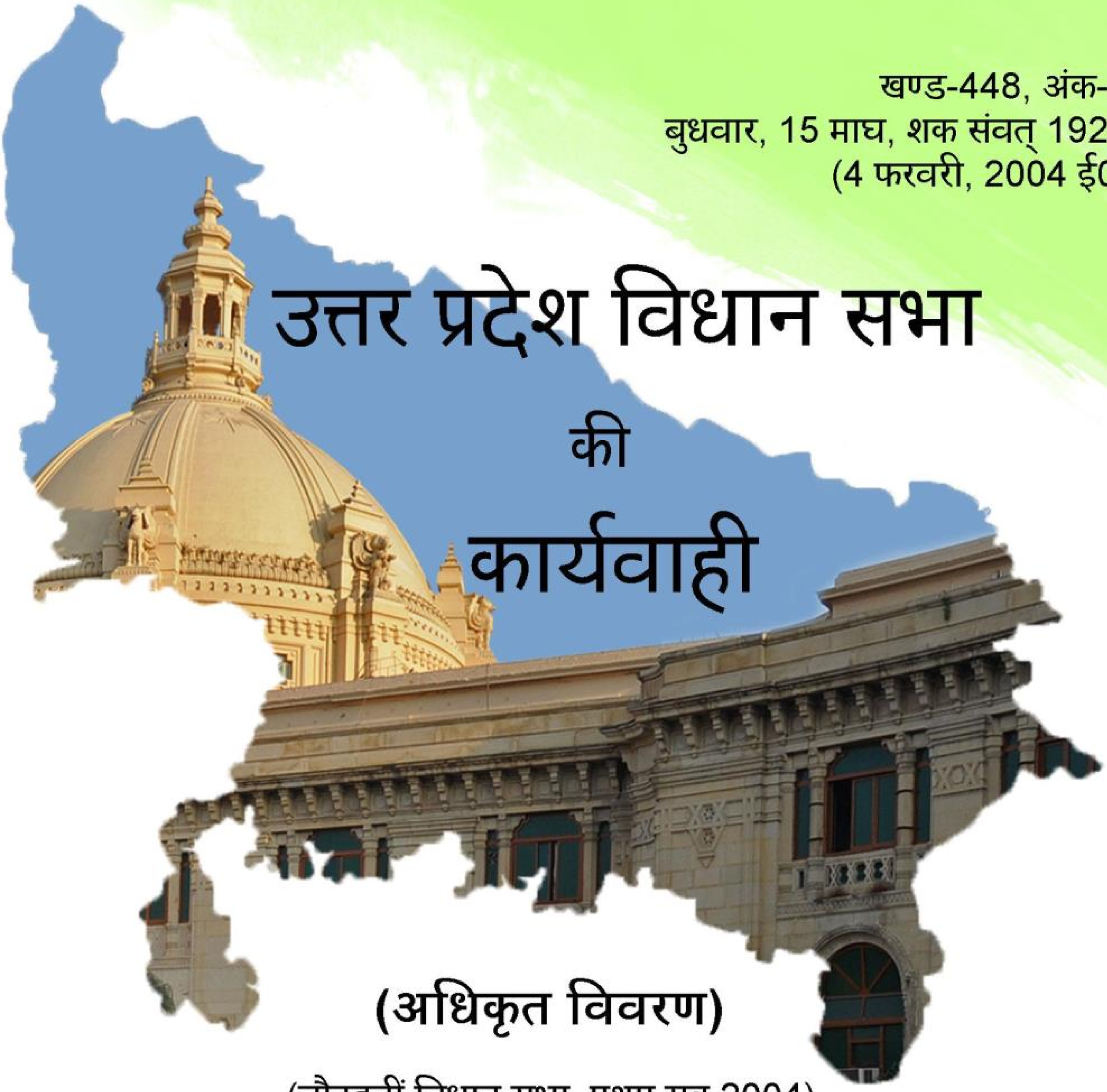

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(चौदहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 2004)

खण्ड 448 में 10 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2004

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 पैसे, महसूल सहित रु0 724.25 पैसे |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
चौदहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची	ग–ज
महामहिम श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उ० प्र० वि० स० के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल...	झ–ढ
उपस्थित सदस्य	ण–ध
राष्ट्रीय गीत	1
श्री राज्यपाल के अभिभाषण उल्लिखित कानून व्यवस्था पर व्यवस्था का प्रश्न उठाने का प्रयास...	1–2
श्री राज्यपाल के अभिभषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ	2–9
विधान सभा उपनिर्वाचन में निर्वाचित मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव द्वारा शपथ ग्रहण	9–10
उत्तर प्रदेश किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2004 (सदन के पटल पर रखा गया)	10
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग (निरसन) अध्यादेश, 2004 (सदन के पटल पर रखा गया)	10
उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2003.....(विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	10
उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2003.....(विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	10
उत्तर प्रदेश छत्रपति शाहू जी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003.....(विधान परिषद् से वापसी की सूचना) ...	10
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2003.....(विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	11
उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	11
उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	11
उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	11
उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	11

उत्तर प्रदेश विधान सभा

विषय	पृष्ठ-संख्या
उत्तर प्रदेश व्यापार कर (संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	12
उत्तर प्रदेश लोक सेवा अधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	12
उत्तर प्रदेश छत्रपति शाहू जी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक 2003 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना) ...	12
सिविल प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	12
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2003.....(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	12–13
दिनांक 11 फरवरी, 04 को पूर्वाह्न 11 बजे वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के प्रस्तुतिकरण पर व्यवस्था का प्रश्न	13–14
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	14–16

उत्तर प्रदेश विधान सभा

त्तर प्रदेश विधान सभा

वीं विधान सभा के सदस्यों की सूची

1–अर्क[illegible]रहमान खां, श्री — मुरादाबाद
2–अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
3–अखिलेश कुमार सिंह, — रायबरेली
4–अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
5–अजय कुमार, श्री — बागपत
6–अजय राय, श्री — वाराणसी
7–अजीम भाई, श्री — फिरोजाबाद
8–अताउल रहमान, श्री — बरेली
9–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
10–अनवर महमूद, श्री — बलरामपुर
11–अनार सिंह दिवाकर, श्री — एटा
12–अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
13–अनिल कुमार पाण्डेय, श्री — सुल्तानपुर
14–अनिल कुमार मौर्य, श्री — मिर्जापुर
15–अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
16–अनिल कुमार पासवान, श्री — हरदोई
17–अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
18–अनिल सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
19–अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू, श्री — पीलीभीत
20–अनुग्रह नारायण उर्फ खोखा सिंह, श्री — देवरिया
21–अनुराधा चौधरी, श्रीमती — मुजफ्फरनगर
22–अनूप कुमार पाण्डेय, श्री — बस्ती
23–अन्सार अहमद, श्री — इलाहाबाद
24–अब्दुल कलाम, श्री — वाराणसी
25–अब्दुल कलाम, श्री — संत कबीर नगर
26–अब्दुल मन्नान, श्री — हरदोई
27–अब्बास अली जैदी उर्फ रुशदी मियां, श्री — बाराबंकी
28–अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री — फतेहपुर
29–अमरमणि, श्री — महराजगंज
30–अमर सिंह यादव पुत्र श्री सुन्दर सिंह, श्री — हाथरस
31–रिक्त
32–अम्बिका चौधरी, श्री — बलिया
33–अम्बेश कुमारी, श्रीमती — महोबा
34–अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
35–अरविन्द गिरि, श्री — खीरी
*36–अरविन्द कुमार सिंह उर्फ गोप, श्री — बाराबंकी
37–अरुण कुमार मेहरोत्रा, डा० — जालौन
38–अरुण कुमारी, श्रीमती — कानपुर देहात
39–अरुणवीर सिंह, श्री — बहराइच
40–अरुणा तोमर, श्रीमती — कानपुर नगर
41–अवधेश कुमार वर्मा, श्री — शाहजहांपुर
42–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
43–अशोक कुमार कटियार, श्री — कानपुर देहात
44–अशोक वाजपेयी, डा० — हरदोई
45–अशोक सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
46–आदित्य विक्रम सिंह (बोकू सिंह), श्री — सिद्धार्थनगर
47–आनन्द प्रकाश लोधी, श्री — फतेहपुर
48–आनन्द सेन, श्री — फैजाबाद
49–आर०एस० कुशवाहा, श्री — खीरी
50–आर० के० चौधरी, श्री — लखनऊ
51–आर०के० सिंह पटेल, श्री — चित्रकूट
52–आलम बदी, श्री — आजमगढ़
53–आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
54–आशा किशोर, श्रीमती — रायबरेली
55–आशीष यादव, श्री — बदायूं
56–आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
57–इकबाल महमूद, श्री — मुरादाबाद
58–इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
59–इन्द्रदेव सिंह, डा० — बिजनौर
60–इलम सिंह, श्री — सहारनपुर
61–उदयभान करवरिया, श्री — इलाहाबाद
62–उदयभान सिंह, श्री — वाराणसी
63–उदयराज यादव, श्री — उन्नाव

64–उमा किरन, श्रीमती मुजफ्फरनगर
65–उमा शंकर कुशवाहा, श्री गाजीपुर
66–ऊषा वर्मा, श्रीमती हरदोई
67–ओइमवेश, स्वामी बिजनौर
68–ओमकार सिंह यादव, श्री बदायूं
69–ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
70–ओम प्रकाश, श्री सीतापुर
71–ओम प्रकाश (ओ० पी० सिंह), श्री सुल्तानपुर
72–ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री सुल्तानपुर
73–ओम प्रकाश सिंह, श्री मिर्जापुर
74–ओमवती देवी, श्रीमती बिजनौर
75–कपिल देव यादव, श्री मऊ
76–कमला प्रसाद रावत, श्री बाराबंकी
77–कमलेश कुमार, श्री गोरखपुर
78–कमलेश कुमार पाठक, श्री कानपुर देहात
79–कमाल यूसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
80–कल्याण सिंह, श्री अलीगढ़
81–कल्यान सिंह दोहरे, श्री कन्नौज
82–काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, नवाब रामपुर
83–कामेश्वर उपाध्याय, श्री देवरिया
84–कालीचरन राजभर, श्री गाजीपुर
85–काशी राम, श्री रामपुर
86–किरण पाल कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
87–किरनपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
88–किशन लाल बघेल, सेठ आगरा
89–कुतुबुद्दीन अन्सारी, श्री बिजनौर
90–कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
91–कृष्ण कुमार सिंह उर्फ सतीश वर्मा, श्री हरदोई
92–कृष्णानन्द राय, श्री गाजीपुर
93–कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
94–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
95–कैलाश, श्री गाजीपुर
96–कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
97–कैलाश नाथ सिंह यादव, श्री वाराणसी
98–कोविद कुमार, श्री शाहजहांपुर
99–कौकब [illegible], श्री बागपत
100–[illegible]शल [illegible], श्री खीरी
101–[illegible] [illegible], श्री लखनऊ
102–गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री आगरा
103–गंगा बक्श सिंह, डा० उन्नाव
104–गंगा भक्त सिंह, श्री हरदोई
105–गया चरन दिनकर, श्री बांदा
106–गीता सिंह, श्रीमती बलरामपुर
107–गुलाब देवी, श्रीमती मुरादाबाद
108–घनश्याम शुक्ल, श्री गोण्डा
109–घूरा राम, श्री बलिया
110–चन्द्र किशोर, श्री महराजगंज
111–चन्द्रदेव राम यादव, श्री आजमगढ़
112–चन्द्र भद्र सिंह, श्री सुल्तानपुर
113–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री श्रावस्ती
114–चितरंजन स्वरूप, श्री मुजफ्फरनगर
115–छेदी राम, श्री गाजीपुर
116–छोटे लाल यादव, श्री बाराबंकी
117–छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
*118–जंग बहादुर, श्री सुल्तानपुर
119–जगदम्बिका पाल, श्री बस्ती
120–जगदीश नारायण (राय), श्री जौनपुर
121–जगदीश मिश्र बाल्टी बाबा, श्री कुशीनगर
122–जगदीश सिंह राणा, श्री सहारनपुर
123–जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
124–जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
125–जगराम सिंह, श्री मुरादाबाद
126–जटाशंकर सिंह, श्री बहराइच
127–जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
128–जय प्रकाश यादव, श्री गोरखपुर
129–जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
130–जयराम विमल, श्री अम्बेडकर नगर
131–जयवीर सिंह, श्री मैनपुरी
132–जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
133–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भैया, श्री गोरखपुर
134–जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
135–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज

उत्तर प्रदेश विधान सभा

136–तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
137–ददद्दू प्रसाद, श्री चित्रकूट
138–दयाराम, श्री कौशाम्बी
139–दया शंकर वर्मा, श्री जालौन
140–दिनेश सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
141–दिलीप कुमार वर्मा, श्री बहराइच
142–दीनानाथ कुशवाहा, श्री देवरिया
143–दीनानाथ भास्कर, श्री सन्त रविदास नगर,भदोही
144–दुर्गा प्रसाद मिश्र, श्री देवरिया
145–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
146–देवकी नन्दन, श्री हाथरस
147–देव नारायन उर्फ जी०एम० सिंह, श्री गोरखपुर
148–देवेन्द्र नागपाल, श्री ज्योतिबाफूले नगर
149–देवेन्द्र प्रताप, श्री एटा
150–देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
151–द्वारिका प्रसाद, श्री सन्त कबीर नगर
152–धनंजय सिंह, श्री जौनपुर
153–धर्मपाल सिंह, श्री गाजियाबाद
154–धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
155–धर्मराज निषाद, श्री अम्बेडकर नगर
156–धर्म सिंह सैनी, डा० सहारनपुर
157–धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री बरेली
158–धू राम चौधरी , श्री हमीरपुर
159–नत्थू सिंह, श्री उन्नाव
160–नरेन्द्र कुमार, श्री गौतमबुद्ध नगर
161–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० इलाहाबाद
162–नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
163–नरेन्द्र सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
164–नरेन्द्र सिंह सिरौदिया, श्री गाजियाबाद
165–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री हरदोई
166–नवाब सिंह नागर, श्री गौतमबुद्ध नगर
167–नारद राय, श्री बलिया
168–पकौड़ी लाल, श्री मिर्जापुर
169–परमेश्वर दयाल, श्री सोनभद्र
170–पारस नाथ यादव, श्री जौनपुर
171–पी० के० राय,डा० कुशीनगर
172–पीटर फैन्थम, श्री नाम-निर्देशित
173–पीतम राम, श्री पीलीभीत
174–पूरन सिंह बुन्देला, श्री ललितपुर
175–पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर
176–प्रताप चौधरी, श्री हाथरस
177–प्रदीप माथुर, श्री मथुरा
178–प्रभु दयाल, श्री मेरठ
179–प्रभु नारायण, श्री वाराणसी
180–प्रमोद कुमार, श्री प्रतापगढ़
181–प्रमोद गौड़, श्री अलीगढ़
182–प्रागी लाल अहिरवार, श्री झांसी
183–प्रेम पाल सिंह यादव, श्री बदायूं
184–प्रेम लता कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
185–प्रेम सिंह, श्री मथुरा
186–फतेह बहादुर, श्री महराजगंज
187–फर्सीहा बशीर, चौधरी (गजाला) देवरिया
188–फागू, श्री मऊ
189–बंशीधर राज, श्री खीरी
190–बलराम यादव, श्री आजमगढ़
191–बादशाह सिंह, श्री हमीरपुर
192–बाबू राम, एम०काम०, श्री जालौन
193–बाबू लाल, श्री गोण्डा
194–बाबू लाल, चौधरी आगरा
195–बाबू लाल कुशवाहा, श्री बांदा
196–विजय सिंह, श्री फर्रुखाबाद
197–बीजू पटनायक, श्री गाजीपुर
198–बीना भारद्वाज, श्रीमती रामपुर
199–बृजेन्द्र कुमार व्यास (डमडम महाराज), श्री झांसी
200–बृजेन्द्र प्रताप सिंह, कुंवर, एडवोकेट जालौन
201–बैजनाथ पासवान, श्री मऊ
202–बैजनाथ दुबे, श्री गोण्डा
203–ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री देवरिया
204–भगवत शरन गंगवार, श्री बरेली
205–भगेलू राम, श्री सुल्तानपुर
206–भरत सिंह, श्री बलिया
207–भानेन्द्र सिंह, कुंवर बिजनौर

208–भूपेन्द्र सिंह, श्री — बदायूं
209–मतेश चन्द्र सोनकर, श्री — कौशाम्बी
210–मदन गोपाल वर्मा, श्री — फतेहपुर
211–मदन चौहान, श्री — गाजियाबाद
212–मदन भैया, श्री — बागपत
213–मदन सिंह गौतम उर्फ सन्तोष कुमार, श्री — इटावा
214–मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री — रायबरेली
215–मलिक मसूद, श्री — आजमगढ़
216–मशहूद खां, श्री — बलरामपुर
217–मस्तराम चौ०, एडवोकेट — उन्नाव
218–महबूब अली, श्री — ज्योतिबाफूलेनगर
219–महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा — आगरा
220–महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीनबाबू, श्री — सीतापुर
221–महेन्द्र सिंह जाटव, चौधरी — अलीगढ़
222–महेन्द्र सिंह यादव, श्री — बुलन्दशहर
223–महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री — इटावा
224–महेश त्रिवेदी, श्री — कानपुर देहात
225–महेश नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
226–माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
227–मान पाल सिंह, श्री — एटा
228–माया प्रसाद, श्रीमती — खीरी
229–मिथिलेश कुमार, श्री — शाहजहांपुर
230–मुलायम सिंह यादव श्री — बदायूं
230–मुंशीलाल गौतम, श्री — बुलन्दशहर
231–मुकुट बिहारी वर्मा, श्री — बहराइच
232–मुश्ताक सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
233–मूलचन्द्र चौहान, ठाकुर — बिजनौर
234–मोख्तार अंसारी, श्री — मऊ
235–मोहन देव शंखवार, श्री — फिरोजाबाद
236–मोहम्मद आकिल उर्फ मुन्ना मियां, श्री — मुरादाबाद
237–मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
238–मोहम्मद इरशाद खां, श्री — लखनऊ
239—मोहम्मद बशीर, चौधरी — आगरा
240—मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री — इलाहाबाद
241—मोहम्मद रिजवान, श्री — मुरादाबाद
242—मो० शफीर, श्री — फतेहपुर
243–यशपाल चौधरी, श्री — खीरी
244–यशवन्त सिंह, डा० — मुजफ्फरनगर
245–याकूब, हाजी — मेरठ
246–योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
247–योगेश प्रताप सिंह उर्फ योगेश भइया, श्री — गोण्डा
248–रघराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया, श्री — प्रतापगढ़
249–रणवीर राणा, श्री — मेरठ
250–रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — कुशीनगर
251–रतन लाल अहिरवार, श्री — झांसी
252–रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री — कुशीनगर
253–रमेश कान्त लवानिया, श्री — आगरा
254–रमेश कुमार शर्मा, श्री — झांसी
255–रमेश चन्द बिन्द, डा० — मिर्जापुर
256–रविन्द्र पुण्डीर, प्रो० — मेरठ
257–राकेश कुमार वर्मा, श्री — बाराबंकी
258–राकेश पाण्डेय, श्री — अम्बेडकर नगर
259–राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
260–राज किशोर सिंह, श्री — बस्ती
261–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
262–राजपाल सिंह बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
263–राजपाल सिंह सैनी, श्री — मुजफ्फरनगर
264–राजरानी रावत, श्रीमती — बाराबंकी
265–राजलक्ष्मी वर्मा, श्रीमती — बाराबंकी
266–राजवीर सिंह, श्री — बुलन्दशहर
267–राजा राम, श्री — प्रतापगढ़
278–राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
279–राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
280–राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री — लखनऊ
281–राजेन्द्र सिंह चौहान, श्री — एटा
272–राजेन्द्र सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
273–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
274–राजेश कुमार, श्री — खीरी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

275–राधा मोहन दास अग्रवाल, डा० गोरखपुर
276–राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
277–राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
278–राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकर नगर
279–राम इकबाल सिंह, श्री बलिया
280–राम करन आर्य, श्री बस्ती
281–राम किशुन, श्री वाराणसी
282–राम कृपाल, श्री इलाहाबाद
283–राम कृष्ण, श्री सीतापुर
284–राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
285–रामजी शुक्ला, श्री औरैया
286–राम नरेश यादव, श्री आजमगढ़
287–राम नाथ, श्री प्रतापगढ़
288–राम पाल यादव, श्री सीतापुर
289–राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री कन्नौज
290–राम प्रताप सिंह, श्री गोण्डा
291–राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
292–राम बाबू हरित, डा० आगरा
293–राम विशुन आजाद, श्री गोण्डा
294–राम भुआल निषाद, श्री गोरखपुर
295–राम लाल अहेरी, श्री रायबरेली
296–रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
297–रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
298–राम शंकर कठेरिया, श्री उन्नाव
299–राम सेवक, श्री सुल्तानपुर
300–राम स्वरूप सिंह, श्री कानपुर देहात
301–राम स्वरूप सिंह, श्री बिजनौर
302–रामहेत, श्री सीतापुर
303–रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
304–रिजवान अहमद डॉ., श्री ज्योतिबा फूले नगर
305–रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
306–रेवती रमण सिंह, कुं० इलाहाबाद
307–लक्ष्मीकान्त वाजपेयी, डा० मेरठ
308–लल्लू सिंह, श्री फैजाबाद
309–लालजी टण्डन, श्री लखनऊ
310–लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
311–लाल बहादुर यादव, श्री जौनपुर
312–लुईस खुर्शीद, श्रीमती फर्रुखाबाद
313–वकार अहमद शाह, डा० बहराइच
314–वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
315–विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
316–विजय कुमार मिश्रा, श्री सन्त रविदासनगर, भदोही
317–विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
318–विजय सिंह, श्री सोनभद्र
319–विजेन्द्र सिंह, श्री हाथरस
320–विद्या चौधरी, श्रीमती आजमगढ़
321–विद्या सागर गुप्ता, श्री लखनऊ
322–विनय शाक्य, श्री औरैया
323–विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
324–विनोद कुमार यादव उर्फ कक्का, श्री इटावा
325–विनोद कुमार सिंह, श्री जौनपुर
326–विनोद तिवारी, डा० पीलीभीत
327–विमल कृष्ण अग्रवाल, श्री बदायूं
328–विमला राकेश, श्रीमती सहारनपुर
329–विवेक बंसल, श्री अलीगढ़
330–विशम्भर प्रसाद निषाद, श्री बांदा
331–विश्राम सिंह यादव, श्री हरदोई
332–वीरेन्द्र प्रताप सिंह "मुन्ना" श्री शाहजहांपुर
333–वीरेन्द्र सिंह गंगवार, श्री बरेली
334–वीरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
**335–वीरेन्द्र सिंह, श्री वाराणसी
336–वीरेन्द्र सिंह बुन्देला 'भगत राजा', श्री ललितपुर
337–वीरेश्वर, श्री अलीगढ़
338–वेदराम भाटी, श्री बुलन्दशहर
339–शंख लाल मांझी, श्री सन्त कबीर नगर
340–शचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री सन्त रविदास नगर, भदोही
341–शब्बीर, श्री बहराइच
342–शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
343–शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
344–शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
345–शाकिर अली, श्री देवरिया

346–शारदा देवी, श्रीमती गोरखपुर
347–शारदा नन्द अंचल, श्री बलिया
348–शारदा प्रसाद, श्री चन्दौली
349–शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
350–शिव कुमार बेरिया, श्री कानपुर देहात
351–शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
352–शिव तपस्या पासवान, श्री चन्दौली
353–शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
354–शिव प्रताप यादव, डा० बलरामपुर
355–शिवाकान्त ओझा, प्रोफेसर प्रतापगढ़
356–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महराजगंज
357–शिशुपाल सिंह यादव, श्री एटा
358–शैलेन्द्र यादव ''ललई'', श्री जौनपुर
359–श्याम सिंह अहेरिया, श्री मथुरा
360–श्याम देव राय चौधरी, श्री वाराणसी
361–श्याम नारायन, श्री महराजगंज
362–श्याम लाल रावत, श्री सीतापुर
363–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
364–श्याम सूरत उपाध्याय, श्री इलाहाबाद
365–संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
366–संजीव दरियाबादी, श्री कानपुर नगर
367–संदीप अग्रवाल, श्री मुरादाबाद
368–सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
369–सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री मेरठ
370–सदल प्रसाद, श्री गोरखपुर
371–सत्य नारायण, श्री हरदोई
372–सन्ध्या कठेरिया, कु० मैनपुरी
373–समरपाल सिंह, श्री बागपत
374–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुं० मुरादाबाद
375–सलिल विशनोई, श्री कानपुर नगर
376–सिद्ध गोपाल साहू, श्री महोबा
377–सियाराम सागर, डा० बरेली
378–सीताराम निषाद, श्री फैजाबाद
379–सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
380–सुख देवी वर्मा, श्रीमती इटावा
381–सुन्दर लाल, श्री उन्नाव
382–सुन्दर सिंह, श्री बुलन्दशहर
383–सुरेन्द्र पाल वर्मा, डा० बांदा
384–सुरेन्द्र प्रकाश गोयल, श्री गाजियाबाद
385–सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री जौनपुर
386–सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री रायबरेली
387–सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री वाराणसी
388–सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
389–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
390–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री लखनऊ
391–सुल्तान बेग, श्री बरेली
392–सुशील चौधरी, डा० सहारनपुर
393–सूरज सिंह शाक्य, श्री एटा
394–सोमारू राम सरोज, श्री जौनपुर
395–सोवरन सिंह, श्री मैनपुरी
396–स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री रायबरेली
397–हरि ओम यादव, श्री फिरोजाबाद
398–हरि प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
399–हरिशंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
400–हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ''हरीश जी'', श्री वाराणसी
401–हीरा लाल गौतम, श्री आजमगढ़
402–हुकुम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
403–होशियार सिंह, श्री बुलन्दशहर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

महामहिम राज्यपाल
श्री विष्णुकान्त शास्त्री
मंत्रि-परिषद्

मंत्री

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्ट फोलियो)
1	2	3
	मुलायम सिंह यादव	सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, प्रशासनिक सुधार, गृह, गोपन, सतर्कता, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, वित्त, कर एवं निबन्धन (व्यापार कर), न्याय, विधायी, औद्योगिक विकास, नियोजन, प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन, राज्य सम्पत्ति, सहकारिता, आबकारी, ऊर्जा, प्राविधिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा (आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक चिकित्सा को छोड़कर), वन, आवास एवं शहरी नियोजन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, महिला कल्याण, भाषा, अम्बेडकर ग्राम विकास, नागरिक सुरक्षा, धर्मार्थ कार्य तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय।
2	श्री मोहम्मद आजम खाँ	संसदीय कार्य, नगर विकास
3	श्री शिवपाल सिंह	कृषि, कृषि शिक्षा
4	श्रीमती कुसुम राय	लोक निर्माण
5	श्रीमती अनुराधा चौधरी	सिंचाई
6	श्री कोकब हमीद	ग्रमीण अभियंत्रण सेवा
7	श्री राजवीर सिंह	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक चिकित्सा
8	श्री कुँवर रेवती रमण सिंह	परिवहन
9	श्री अहमद हसन	परिवार कल्याण
10	श्री भगवती सिंह	वाह्य सहायतित परियोजना
11	श्री बलराम यादव	पंचायती राज
12	श्री अवधेश प्रसाद	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण
13	श्री नरेश अग्रवाल	पर्यटन
14	डा० अशोक वाजपेयी	खाद्य एवं रसद
15	श्री किरन पाल सिंह	बेसिक शिक्षा
16	श्री अम्बिका चौधरी	राजस्व
17	श्री हरिशंकर तिवारी	स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, मनोरंजन कर
18	श्री पारसनाथ यादव	सार्वजनिक उद्यम, अतिरिक्त ऊर्जा ग्रोत
19	श्री राम गोविन्द चौधरी	बाल विकास एवं पुष्टाहार
20	श्री शाकिर अली	लघु सिंचाई, मुस्लिम वक्फ
21	श्री माता प्रसाद पाण्डेय	श्रम

1	2	3
22	श्री विशम्भर प्रसाद निषाद	भूतत्व एवं खनिकर्म
23	श्री आर० के० चौधरी	खेलकूद, युवा कल्याण
24	श्री राजा राम पाण्डेय	खादी एवं ग्रामोद्योग
25	श्री ओम प्रकाश सिंह	भूमि विकास एवं जल संसाधन, परती भूमि विकास
26	श्री वीरेन्द्र सिंह	पशुधन
27	श्री राज किशोर सिंह	उद्यान
28	श्री राम प्यारे सिंह	पर्यावरण
29	श्री जगदीश सिंह राणा	लघु उद्योग, वस्त्रोद्योग, रेशम-उद्योग
30	श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी	होमगार्ड्स, सैनिक कल्याण, प्रान्तीय रक्षा दल
31	श्री राकेश कुमार वर्मा	कारागार

राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार)

1	2	3
1	श्री कामेश्वर-उपाध्याय	दुग्ध विकास
2	श्री दिनेश सिंह	बैंकिंग
3	श्री बाबू लाल	खाद्य प्रसंस्करण एवं राजनैतिक पेंशन
4	श्री महबूब अली	पिछड़ा वर्ग कल्याण
5	श्री राजपाल त्यागी	ग्राम्य विकास
6	श्री वीरेन्द्र सिंह	संस्कृति
7	श्री वीरेन्द्र सिंह बुन्देला	कार्यक्रम कार्यान्वयन, राष्ट्रीय एकीकरण
8	श्री शंखलाल मांझी	मत्स्य
9	श्री श्याम नारायण	विकलांग कल्याण
10	श्री हाजी याकूब	अल्पसंख्यक, हज

राज्य मंत्री

क्रम-संख्या	नाम	कार्य विभाग (पोर्ट फोलियो)
1	2	3
1	श्री अजीत कुमार राजू	बेसिक शिक्षा
2	श्री अताउर रहमान	श्रम
3	श्री अंसार अहमद	पशुधन

उत्तर प्रदेश विधान सभा

1	2	3
4	श्री अरविन्द कुमार [illegible] ह गोप	लोक निर्माण
5	श्री इकवाल महबूब	राजस्व
6	श्रीमती ऊषा [illegible]र्मा	बाल विकास एवं पुष्टाहार
7	श्री कुतुबुद्दीन [illegible]	होमगार्ड्स, सैनिक कल्याण (पी०आ० [illegible]०पी०)
8	श्री कैलाश	राजस्व
9	श्री कौशल किशोर	[illegible]म
10	श्री गंगा प्रसाद पुष्कर	कृषि
11	श्री चितरंजन स्वरूप	कर एवं निबन्धन (व्यापार कर)
12	श्री जगराम सिंह	परिवार कल्याण
13	श्री जयवीर सिंह	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा
14	श्री तेजपाल सिंह	सिंचाई
15	श्री दीनानाथ भास्कर	ग्रामीण अभियंत्रण
16	श्री दुर्गा प्रसाद मिश्र	नियोजन, अर्थ एवं संख्या
17	श्री धर्मेन्द्र कुमार कश्यप	उद्यान
18	श्री नारद राय	नगर विकास
19	श्री प्रभूदयाल वाल्मीकि	लघु उद्योग, वस्त्र उद्योग एवं रेशम
20	श्री बनवारी सिंह यादव	प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन एवं राज्य सम्पत्ति
21	श्री बंशीधर राज	परिवहन
22	श्री भगवतशरण गंगवार	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा
23	श्री मतेश चन्द्र सोनकर	खादी एवं ग्रामोद्योग
24	श्री मानपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा
25	श्री कमाल यूसुफ मलिक	भूतत्व एवं खनिकर्म
26	श्री महेश त्रिवेदी	स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क तथा मनोरंजन कर
27	श्री मो० बशीर	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
28	श्री मिथिलेश कुमार	पंचायती राज
29	श्री मूल चन्द्र	पंचायती राज
30	श्री यशपाल चौधरी	लघु सिंचाई
31	श्री योगेश प्रताप सिंह	सिंचाई

उत्तर प्रदेश विधान सभा

1	2	3
32	श्री राजेन्द्र सिंह	पर्यावरण
33	श्री राजेन्द्र सिंह राणा	परिवहन
34	श्री राम करन आर्य	प्रादिधिक शिक्षा
35	श्री राम कृष्ण	कारागार
36.	श्री राम भुआल निषाद	कारागार
37	श्री राम स्वरूप सिंह	पंचायती राज
38	श्री राम आसरे विश्वकर्मा	उच्च शिक्षा
39	श्री विजय सिंह	परिवार कल्याण
40	श्री विनोद कुमार सिंह	चिकित्सा शिक्षा
41	श्री विमल कृष्ण अग्रवाल	वित्त
42	श्री सिद्ध गोपाल साहू	भूतत्व एवं खनिकर्म
43	श्री सीताराम निषाद	न्याय एवं विधायी
44	श्री सूरज सिंह शाक्य	खाद्य एवं रसद
45	श्री श्याम लाल रावत	वित्त
46	श्री शारदानन्द अंचल	सहकारिता
47	श्री शाहिद मंजूर	बेसिक शिक्षा
48	श्री शैलेन्द्र यादव	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति तथा जनजाति कल्याण
49	श्री शिव प्रताप यादव	कृषि
50	श्री स्वामी ओमवेश	गन्ना विकास
51	श्री संजय गर्ग	लोक निर्माण
52	श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह	खाद्य एवं रसद
53	श्रीमती उमा किरन	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति तथा जनजाति कल्याण
54	श्री धर्मपाल	पर्यटन
55	श्री जय प्रकाश यादव	माध्यमिक शिक्षा
56	श्री विनोद कुमार यादव	परिवार कल्याण

नेता विरोधी दल
श्री लालजी टण्डन

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री केशरीनाथ त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

डा० वकार अहमद शाह

प्रमुख सचिव

श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय

अधिष्ठाता मण्डल

1–डॉ० लक्ष्मीकान्त वाजेपयी, सदस्य, विधान सभा (मेरठ)

2–डॉ० राम बाबू हरित, सदस्य, विधान सभा (आगरा)

3–श्री गया चरण दिनकर, सदस्य, विधान सभा (बांदा)

4–श्री भगेलू राम, सदस्य, विधान सभा (सुल्तानपुर)

5–श्री दद्दू प्रसाद, सदस्य, विधान सभा (चित्रकूट)

6–श्री श्याम सूरत उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा (इलाहाबाद)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

बुधवार, दिनांक 04 फरवरी, 2004

विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 12 बजकर 30 मिनट पर अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।

उपस्थित सदस्य–336

अक्षयवर लाल, श्री	बहराइच
अजय कपूर, श्री	कानपुर नगर
अजय कुमार डा०	बागपत
अजीम भाई, श्री	फिरोजाबाद
अताउल रहमान, श्री	बरेली
अनवर महमूद, श्री	बलरामपुर
अनार सिंह दिवाकर, श्री	एटा
अनिल कुमार, श्री	बुलन्दशहर
अनिल कुमार पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
अनिल कुमार मौर्य, श्री	मिर्जापुर
अनिल कुमार वर्मा, श्री	सीतापुर
अनिल कुमार पासवान, श्री	हरदोई
अनिल कुमार सिंह यादव, श्री	एटा
अनिल सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
अनुग्रह नारायण उर्फ खोखा सिंह, श्री	देवरिया
अनूप कुमार पाण्डेय, श्री	बस्ती
अन्सार अहमद, श्री	इलाहाबाद
अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री	फतेहपुर
अमर सिंह यादव पुत्र सुन्दर सिंह, श्री	हाथरस
अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
अम्बेश कुमारी, श्रीमती	महोबा
अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर
अरविन्द गिरि, श्री	खीरी
अरविन्द कुमार सिंह उर्फ गोप, श्री	बाराबंकी
अरुण कुमार मल्होत्रा, डा०	जालौन
अरुण कुमारी, श्रीमती	कानपुर देहात
अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच
अरुणा तोमर, श्रीमती	कानपुर नगर
अवधेश कुमार वर्मा, श्री	शाहजहांपुर
अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
अशोक कुमार कटियार, श्री	कानपुर देहात
अशोक वाजपेयी, डा०	हरदोई
अशोक सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी
आदित्य विक्रम सिंह (बोकू सिंह), श्री	सिद्धार्थनगर
आनन्द प्रकाश लोधी, श्री	फतेहपुर
आनन्द सेन, श्री	फैजाबाद
आर०एस० कुशवाहा, श्री	खीरी
आर० के० चौधरी, श्री	लखनऊ
आर०के० सिंह पटेल, श्री	चित्रकूट
आलम बदी, श्री	आजमगढ़
आलोक कुमार शाक्य, श्री	मैनपुरी
आशा किशोर, श्रीमती	रायबरेली
आशीष यादव, श्री	बदायूं
आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री	बदायूं
इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
इन्द्रजीत सरोज, श्री	कौशाम्बी
इन्द्रदेव सिंह, डा०	बिजनौर
इलम सिंह, श्री	सहारनपुर
उदयराज यादव, श्री	उन्नाव
उमा किरन, श्रीमती	मुजफ्फरनगर
उमा शंकर कुशवाहा, श्री	गाजीपुर
ऊषा वर्मा, श्रीमती	हरदोई
ओमकार सिंह यादव, श्री	बदायूं
ओम प्रकाश, श्री	गाजीपुर
ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
ओमवती देवी, श्रीमती	बिजनौर
कपिल देव यादव, श्री	मऊ
कमाल यूसुफ मलिक, श्री	सिद्धार्थनगर
कल्यान सिंह दोहरे, श्री	कन्नौज

कामेश्वर उपाध्याय, श्री	देवरिया
कालीचरन राजभर, श्री	गाजीपुर
काशी राम, श्री	रामपुर
किरण पाल कश्यप, श्री	मुजफ्फरनगर
किरनपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
कुतुबुद्दीन अन्सारी, श्री	बिजनौर
कुलदीप सिंह सेंगर, श्री	उन्नाव
कृष्ण कुमार सिंह उर्फ सतीश वर्मा, श्री	हरदोई
कृष्णानन्द राय, श्री	गाजीपुर
कृष्णा पासवान, श्रीमती	फतेहपुर
केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
कैलाश, श्री	गाजीपुर
कैलाश चौरसिया, श्री	मिर्जापुर
कैलाश नाथ सिंह यादव, श्री	वाराणसी
कोविन्द कुमार, श्री	शाहजहांपुर
कौशल किशोर, श्री	खीरी
कौशल किशोर, श्री	लखनऊ
गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री	आगरा
गंगा बक्श सिंह, डा०	उन्नाव
गीता सिंह, श्रीमती	बलरामपुर
गुलाब देवी, श्रीमती	मुरादाबाद
घनश्याम शुक्ल, श्री	गोण्डा
घूरा राम, श्री	बलिया
चन्द्र किशोर, श्री	महराजगंज
चन्द्रदेव राम यादव, श्री	आजमगढ़
चन्द्र भद्र सिंह, श्री	सुल्तानपुर
छेदी राम, श्री	गाजीपुर
छोटे लाल यादव, श्री	बाराबंकी
छोटे लाल वर्मा, श्री	आगरा
जंग बहादुर, श्री	सुल्तानपुर
जगदीश नारायण (राय), श्री	जौनपुर
जगदीश मिश्र बाल्टी बाबा, श्री	कुशीनगर
जगदीश सिंह राणा, श्री	सहारनपुर
जगदीश सोनकर, श्री	जौनपुर
जगन प्रसाद गर्ग, श्री	आगरा
जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद

जटाशंकर सिंह, श्री	बहराइच
जय प्रकाश यादव, श्री	गोरखपुर
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
जयराम विमल, श्री	अम्बेडकर नगर
जयवीर सिंह, श्री	मैनपुरी
जियाउद्दीन रिजवी, श्री	बलिया
ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री	महराजगंज
तेजपाल सिंह, श्री,	मथुरा
ददू प्रसाद, श्री	चित्रकूट
दयाराम, श्री	कौशाम्बी
दया शंकर वर्मा, श्री	जालौन
दिनेश सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
दिलीप कुमार वर्मा, श्री	बहराइच
दीनानाथ कुशवाहा, श्री	देवरिया
दुर्गा प्रसाद मिश्र, श्री	देवरिया
दुर्गा प्रसाद यादव, श्री	आजमगढ़
देव नारायन उर्फ जी०एम० सिंह, श्री	गोरखपुर
देवेन्द्र प्रताप, श्री	एटा
देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	रायबरेली
द्वारिका प्रसाद, श्री	सन्त कबीर नगर
धर्मपाल सिंह, श्री	गाजियाबाद
धर्मपाल सिंह, श्री	बरेली
धर्मराज निषाद, श्री	अम्बेडकर नगर
धर्म सिंह सैनी, डा०	सहारनपुर
धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री	बरेली
नत्थू सिंह, श्री	उन्नाव
नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा०	इलाहाबाद
नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री	सीतापुर
नरेन्द्र सिंह सिरौदिया, श्री	गाजियाबाद
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
नवाब सिंह नागर, श्री	गौतमबुद्ध नगर
नारद राय, श्री	बलिया
पकौड़ी लाल, श्री	मिर्जापुर
परमेश्वर दयाल, श्री	सोनभद्र
पारस नाथ यादव, श्री	जौनपुर
पी० के० राय, डा०	कुशीनगर
पीटर फैन्थम, श्री	नाम-निर्देशित

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पीतम राम, श्री	पीलीभीत
पूर्णमासी देहाती, श्री	कुशीनगर
प्रताप चौधरी, श्री	हाथरस
प्रदीप माथुर, श्री	मथुरा
प्रभु दयाल, श्री	मेरठ
प्रभु नारायण, श्री	वाराणसी
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रमोद गौड़, श्री	अलीगढ़
प्रागी लाल अहिरवार, श्री	झांसी
प्रेम पाल सिंह यादव, श्री	बदायूं
प्रेम लता कटियार, श्रीमती	कानपुर नगर
फतेह बहादुर, श्री	महराजगंज
फसीहा बशीर, चौधरी (गजाला)	देवरिया
फागू, श्री	मऊ
बंशीधर राज, श्री	खीरी
बलराम यादव, श्री	आजमगढ़
बाबू राम, एम०काम०, श्री	जालौन
बाबू लाल, श्री	गोण्डा
बाबू लाल, चौधरी	आगरा
बाबू लाल कुशवाहा, श्री	बांदा
विजय सिंह, श्री	फर्रुखाबाद
बीजू पटनायक, श्री	गाजीपुर
बीना भारद्वाज, श्रीमती	रामपुर
बृजेन्द्र कुमार व्यास	
डमडम महराज), श्री	झांसी
बृजेन्द्र प्रताप सिंह, कुंवर,एडवोकेट	जालौन
बैजनाथ पासवान, श्री	मऊ
बैजनाथ दुबे, श्री	गोण्डा
ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री	देवरिया
भगेलू राम, श्री	सुल्तानपुर
भरत सिंह, श्री	बलिया
भारतेन्द्र सिंह, कुंवर	बिजनौर
भूपेन्द्र सिंह, श्री	बदायूं
मतेश चन्द्र सोनकर, श्री	कौशाम्बी
मदन गोपाल वर्मा, श्री	फतेहपुर
मदन चौहान, श्री	गाजियाबाद
मदन भैया, श्री	बागपत
मदन सिंह गौतम उर्फ	
सन्तोष कुमार, श्री	इटावा

मलिक मसूद, श्री	आजमगढ़
मशहूद खां, श्री	बलरामपुर
मस्तराम चौ०, एडवोकेट	उन्नाव
महबूब अली, श्री	ज्योतिबाफूलेनगर
महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ	
झीनबाबू, श्री	सीतापुर
महेन्द्र सिंह जाटव, चौधरी	अलीगढ़
महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री	इटावा
महेश त्रिवेदी, श्री	कानपुर देहात
महेश नारायण सिंह, श्री	इलाहाबाद
मान पाल सिंह, श्री	एटा
माया प्रसाद, श्रीमती	खीरी
मिथिलेश कुमार, श्री	शाहजहांपुर
मुलायम सिंह यादव,श्री	बदायूं
मुंशीलाल गौतम, श्री	बुलन्दशहर
मुकुट बिहारी वर्मा, श्री	बहराइच
मूलचन्द्र चौहान, ठाकुर	बिजनौर
मोहन देव शंखवार, श्री	फिरोजाबाद
मोहम्मद आकिल उर्फ	
मुन्ना मियां, श्री	मुरादाबाद
मोहम्मद आजम खां, श्री	रामपुर
मोहम्मद इरशाद खां, श्री	लखनऊ
मोहम्मद मुजतबा	
सिद्दीकी, श्री	इलाहाबाद
मोहम्मद रिजवान, श्री	मुरादाबाद
मो० शफीर, श्री	फतेहपुर
यशपाल चौधरी, श्री	खीरी
यशवन्त सिंह, डा०	मुजफ्फरनगर
योगेन्द्र कुमार, श्री	बदायूं
योगेश प्रताप सिंह उर्फ	
योगेश भइया, श्री	गोण्डा
रणवीर राणा, श्री	मेरठ
रतन लाल अहिरवार, श्री	झांसी
रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री	कुशीनगर
रमेश कुमार शर्मा, श्री	झांसी
रमेश चन्द बिन्द, डा०	मिर्जापुर
राकेश कुमार वर्मा, श्री	बाराबंकी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राकेश पाण्डेय, श्री — अम्बेडकर नगर
राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
राज किशोर सिंह, श्री — बस्ती
राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
राजपाल सिंह बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
राजपाल सिंह सैनी, श्री — मुजफ्फरनगर
राजरानी रावत, श्रीमती — बाराबंकी
राजलक्ष्मी वर्मा, श्रीमती — बाराबंकी
राजा राम, श्री — प्रतापगढ़
राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री — लखनऊ
राजेन्द्र सिंह चौहान, श्री — एटा
राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
राजेश कुमार, श्री — खीरी
राधा मोहन दास अग्रवाल, डा० — गोरखपुर
राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
राधेश्याम सिंह, श्री — कुशीनगर
राम इकबाल सिंह, श्री — बलिया
राम करन आर्य, श्री — बस्ती
राम कृपाल, श्री — इलाहाबाद
राम कृष्ण, श्री — सीतापुर
राम गोविन्द चौधरी, श्री — बलिया
रामजी शुक्ला, श्री — औरैया
राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
रामनाथ, श्री — प्रतापगढ़
रामपाल यादव, श्री — सीतापुर
राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री — कन्नौज
राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
राम बाबू हरित, डा० — आगरा
राम बिशुन आजाद, श्री — गोण्डा
राम भुआल निषाद, श्री — गोरखपुर
राम लाल अकेला, श्री — रायबरेली
रामवीर उपाध्याय, श्री — हाथरस
रामवीर सिंह, श्री — फिरोजाबाद
राम सेवक, श्री — सुल्तानपुर
राम स्वरूप सिंह, श्री — कानपुर देहात
राम स्वरूप सिंह, श्री — बिजनौर
रामहेत, श्री — सीतापुर
रामेश्वर सिंह यादव, श्री — एटा
रिजवान अहमद खां, श्री — ज्योतिबा फूले नगर
रियाज अहमद, श्री — पीलीभीत
रेवती रमण सिंह, कुं० — इलाहाबाद
लक्ष्मीकान्त वाजपेयी, डा० — मेरठ
लालजी टण्डन, श्री — लखनऊ
लाल बहादुर यादव, श्री — जौनपुर
लुईस खुर्शीद, श्रीमती — फर्रुखाबाद
वसीम अहमद, श्री — आजमगढ़
विजमा यादव, श्रीमती — इलाहाबाद
विजय कुमार मिश्रा श्री, — सन्त रविदासनगर भदोही
विजय बहादुर पाल, श्री — कन्नौज
विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
विजेन्द्र सिंह, श्री — हाथरस
विद्या चौधरी, श्रीमती — आजमगढ़
विद्या सागर गुप्ता, श्री — लखनऊ
विनय शाक्य, श्री — औरैया
विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री — गोण्डा
विनोद कुमार यादव उर्फ कक्का, श्री — इटावा
विनोद कुमार सिंह, श्री — जौनपुर
विनोद तिवारी, डा० — पीलीभीत
विमल कृष्ण अग्रवाल, श्री — बदायूं
विमला राकेश, श्रीमती — सहारनपुर
विवेक बंसल, श्री — अलीगढ़
विशम्भर प्रसाद निषाद, श्री — बांदा
विश्राम सिंह यादव, श्री — हरदोई
वीरेन्द्र प्रताप सिंह "मुन्ना", श्री — शाहजहांपुर
वीरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
वीरेन्द्र सिंह, श्री — वाराणसी
वीरेन्द्र सिंह बुन्देला 'भगत राजा', श्री — ललितपुर
वीरेश्वर, श्री — अलीगढ़
वेदराम भाटी, श्री — बुलन्दशहर
शंख लाल मांझी, श्री — सन्त कबीर नगर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

शचीन्द्र नाथ त्रिपा ी, श्री	सन्त दि तास नगर, भदोही
शब्बीर, श्री	बहराइच
शमीमुल हक, श्री	मुरादाबाद
शरदवीर सिंह, श्री	शाहजहांपुर
शहजिल इस्लाम, श्री	बरेली
शाकिर अली, श्री	देवरिया
शारदा देवी, श्रीमती	गोरखपुर
शारदा नन्द अंचल, श्री	बलिया
शारदा प्रसाद, श्री	चन्दौली
शाहिद मंजूर, श्री	मेरठ
शिव कुमार बेरिया, श्री	कानपुर देहात
शिव चरन प्रजापति, श्री	हमीरपुर
शिव तपस्या पासवान, श्री	चन्दौली
शिव प्रताप यादव, डा०	बलरामपुर
शिवाकान्त ओझा, प्रोफेसर	प्रतापगढ़
शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री	महराजगंज
शिशुपाल सिंह यादव, श्री	एटा
शैलेन्द्र यादव "ललई", श्री	जौनपुर
श्याम सिंह अहेरिया, श्री	मथुरा
श्याम देव राय चौधरी, श्री	वाराणसी
श्याम नारायन, श्री	महराजगंज
श्याम लाल रावत, श्री	सीतापुर
श्याम सुन्दर शर्मा, श्री	मथुरा
श्याम सूरत उपाध्याय, श्री	इलाहाबाद
संजय गर्ग, श्री	सहारनपुर
संजीव दरियावादी, श्री	कानपुर नगर
संदीप अग्रवाल, श्री	मुरादाबाद
सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर
सत्य प्रकाश अग्रवाल कैलाश डेरी वाले), श्री	मेरठ
सदल प्रसाद, श्री	गोरखपुर
सत्य नारायण, श्री	हरदोई
सन्ध्या कठेरिया, कु०	मैनपुरी
समरपाल सिंह, श्री	बागपत
सलिल विशनोई, श्री	कानपुर नगर
सिद्ध गोपाल साहू, श्री	महोबा
सियाराम सागर, डा०	बरेली
सीताराम निषाद, श्री	फैजाबाद
सुखदेव राजभर, श्री	आजमगढ़
सुख देवी वर्मा, श्रीमती	इटावा
सुन्दर लाल, श्री	उन्नाव
सुन्दर सिंह, श्री	बुलन्दशहर
सुरेन्द्र प्रकाश गोयल, श्री	गाजियाबाद
सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	जौनपुर
सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	रायबरेली
सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी
सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री	लखनऊ
सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री	लखनऊ
सुल्तान बेग, श्री	बरेली
सुशील चौधरी, डा०	सहारनपुर
सूरज सिंह शाक्य, श्री	एटा
सोमारू राम सरोज, श्री	जौनपुर
सोवरन सिंह, श्री	मैनपुरी
स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	रायबरेली
हरि ओम यादव, श्री	फिरोजाबाद
हरि प्रताप सिंह, श्री	प्रतापगढ़
हरिशंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी", श्री	वाराणसी
हुकुम सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
होशियार सिंह, श्री	बुलन्दशहर

नोट :–1–श्री मुलायम सिंह यादव, मुख्य मंत्री ।

2–श्री राम प्यारे सिंह, पर्यावरण मंत्री ।

3–श्री बनवारी सिंह यादव, प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन एवं राज्य सम्पत्ति राज्य मंत्री ।

4–श्री राम आसरे विश्वकर्मा, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भी सदन में उपस्थित थे ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

बुधवार, 4 फरवरी, 2004

राष्ट्रीय-गीत

श्री अध्यक्ष–

वर्ष 2004 के विधान सभा के सत्र में माननीय सदस्यों का स्वागत है । आज की कार्यवाही का प्रारम्भ वन्दे मातरम् से करेंगे .....

(सभी सदस्यों द्वारा वन्दे मातरम् गाया गया)

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ॥

सुजलाम्

सुफलाम् ।

मलयज शीतलाम् ।

शस्य श्यामलाम् ।

मातरम् । वन्दे मातरम् ॥

शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्

फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्

सुहासिनीम्

सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम्

वरदाम्

मातरम् । वन्दे मातरम् ॥

श्री अध्यक्ष–

मैं श्री राज्यपाल द्वारा एक साथ समवेत दोनों सदनों को दिये गये अभिभाषण को पढ़कर आपके सामने सुना रहा हूं ।

(व्यवधान)

श्री राज्यपाल के अभिभाषण में उल्लिखित कानून व्यवस्था पर व्यवस्था का प्रश्न उठाने का प्रयास

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

मान्यवर, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

श्री अध्यक्ष–

क्या व्यवस्था का प्रश्न है ?

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

एक प्रति हम लोगों को राज्यपाल के अभिभाषण की मिली है इसमें कानून व्यवस्था के बारे में कहा गया है लेकिन उत्तर प्रदेश में जंगल राज्य कायम हो गया है । माननीय मुख्य मंत्री के भतीजे का अपहरण हो गया । प्रधानमंत्री जी का नाती हत्या का शिकार हुआ है .....

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्री अध्यक्ष–

सदन में अभिभाषण पढ़ा नहीं गया है ।

(व्यवधान)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

पूरा उत्तर प्रदेश गुण्डा अपराध के सामने आत्मसमर्पण कर चुका है ऐसी स्थिति में यह जो अभिभाषण है यह बेबुनियाद हो जाता है .....

(ब०स०पा० के कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर)

श्री अध्यक्ष–

आप लोग कृपया बैठ जाएं ।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

वर्तमान में यह स्थिति है कि जो उनके सहयोगी दल के लोग हैं वह उनका साथ छोड़कर जा रहे हैं । इनके सहयोगी दल के लोग इस्तीफा दे रहे हैं ऐसी स्थिति में इस सरकार का कोई औचित्य नहीं बनता है ।

(श्री स्वामी प्रसाद मौर्य एवं ब०स०पा० के अन्य सदस्यों द्वारा श्री राज्यपाल के अभिभाषण की प्रतियां फाड़ी गईं)

इसी के साथ मैं और मेरा दल सदन का बहिष्कार करता है ।

(श्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने दल के सदस्यों के साथ सदन का त्याग किया)

श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ

श्री अध्यक्ष–

मैं महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा एक साथ समवेत दोनों सदनों को दिये गये अभिभाषण को पढ़कर सुना रहा हूं :–

माननीय सदस्यगण, उत्तर प्रदेश राज्य के वर्ष 2004 के विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के .....

श्री प्रमोद कुमार–

पढ़ा मान लिया जाए ।

श्री अध्यक्ष–

पढ़ा मान लेते हैं ।

(सदन की सहमति से श्री राज्यपाल महोदय का अभिभाषण पढ़ा हुआ माना गया)

[प्रथम सत्र के लिए आहूत इस अधिवेशन में आप सभी का स्वागत है । प्रदेश के समस्त नागरिकों और आप सभी के लिए नया वर्ष मंगलकारी सुख, समृद्धि और विकास की नई किरण लेकर आए ऐसी मेरी कामना है । यह हमारे लिए खेद का विषय है कि हमारे सत्र के प्रारम्भ होने से पूर्व ही हमारे कुछ मूल्यवान सदस्यों का अवसान हमारे बीच से हो गया । श्री जवाहर सिंह यादव, इलाहाबाद

नोट :–[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया ।

स्थानीय निकाय क्षेत्र से विधान परिषद् के लिए निर्वाचित घोषित हो गये थे लेकिन शपथ ग्रहण से पूर्व ही उनका आकस्मिक निधन हो गया । श्री प्रदीप कुमार यादव सदस्य विधान परिषद का भी सहसा देहावसान हमारे विधान मण्डल की अपूर्णीय क्षति है । वे एक कर्मठ समर्पित, विचारवान शीलवान नेता थे । मैं उन दिवंगत सदस्यों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

आप सभी जानते हैं विकट परिस्थितियों, विकराल झंझावातों से गुजर कर मेरी सरकार पदारूढ़ हुई है । 2002 के विधान सभा चुनावों के बाद सबसे बड़ा नव चेत दल होने के बावजूद मेरी सरकार को उसी समय सेवा करने का अवसर नहीं मिला । फिर भी डेढ़ वर्ष के राजनैतिक निर्वासन के उपरान्त मेरी सरकार को सेवा करने का सौभाग्य मिला है । उत्तर प्रदेश जो भारत का श्रेष्ठ राज्य था इसकी प्रतिष्ठा को बर्बाद करने के सर्वाधिक प्रयास हुए । प्रदेश लूट और भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला के रूप में तब्दील हो गया । इस प्रदेश की शानदार नौकरशाही की परम्परा पर काले धब्बों के छींट दिखाई देने लगे । विपरीत विचार रखने के मान्य लोकतान्त्रिक व्यवस्था का निर्ममतापूर्वक दमन किया गया । गैर लोकतान्त्रिक कानूनों का दुरुपयोग कर जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों और उनके परिवारजनों तक को जेल के सलाकों में डाल दिया गया । जनता की सेवा का सशक्त माध्यम प्रशासन, क्रूर हिंसा, दमन और लूट के मजबूत हथियार के रूप में बदल गया । सत्ता के दमन, हिंसा और लूट का मुकाबला प्रदेश की 17 करोड़ जनता ने बहुत ही धीरज और साहस के साथ किया । सम्पूर्ण प्रदेश को संकीर्ण जातिवादी मानसिकता की चक्की में पीस डालने का घृणित षड़यन्त्र हुआ । अपनी आदर्शवादिता, सहनशीलता तथा सर्वग्राही विचारधारा के लिए विख्यात उत्तर प्रदेश अराजकता, आदर्शहीनता का पर्याय बनने की स्थिति में आ गया । सत्ता के निरंकुश प्रहारों को झेलते हुए अपने कठिन संघर्ष और त्याग की अदम्य क्षमता से हमारे मंत्रि-मण्डल के सदस्यों और उनके सहयोगियों ने प्रदेश की गौरवशाली परम्परा को फिर से बहाल करने का ऐतिहासिक काम किया । इस प्रदेश के लाखों लोगों के साहसिक प्रयास और व्यापक संग्राम से प्रदेश में लोक कल्याणकारी सरकार बहाल हुई । प्रदेश की करोड़ों जनता के हार्दिक आशीर्वाद से मेरी सरकार पदारूढ़ हुई है । इसलिए हमारी सरकार जनता की भावना और अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पुरजोर कोशिश में है । जन आकांक्षाओं के साथ छल और धोखा नहीं होने देना ही मेरी सरकार का अभीष्ट है ।

यह हर्ष का विषय है कि पिछले 05 महीने की अल्प अवधि में न केवल लोकतांत्रिक एवं मानवीय मूल्यों को पुनर्स्थापित किया गया बल्कि प्रदेश के लोगों का ध्यान वर्ग विशेष, संकीर्ण जातीयता और साम्प्रदायिक तनाव से हटाकर राज्य के सर्वांगीण विकास की ओर आकर्षित किया गया जिससे सभी वर्ग एवं धर्म के लोगों के जीवन में खुशहाली आये और वे विकास की ओर उन्मुख हो सकें । मेरी सरकार का सबसे प्रमुख लक्ष्य प्रदेश को एक ऐसा आदर्श प्रदेश बनाने का है कि इस प्रदेश का हर नागरिक दूसरे प्रदेश में सीना तान कर खड़ा हो सके । हमारी समृद्धि और विकास की रफ्तार को देखकर दूसरे राज्यों के निवासी ललचा जायं, इसलिए मुझे आपको सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेरी सरकार ने थोड़े ही सही परन्तु अत्यन्त महत्वपूर्ण कदम 05 महीने की अल्पावधि में ही उठाये हैं, जिनका जिक्र मैं आगे करूंगा ।

आप सभी अवगत हैं कि जर्जर और उखड़ी अर्थ व्यवस्था हमें उत्तराधिकार में प्राप्त हुई । फिजूलखर्ची और मनमाने खर्चों ने हमारे प्रदेश के खजाने को खाली कर दिया था । प्रदेश की लड़खड़ाती आर्थिक गाड़ी को पटरी पर लाना हमारी प्राथमिकता थी । हमारी सरकार ने अनुत्पादक खर्चों पर पाबंदी लगाते हुए वित्तीय अनुशासित व्यवस्था की शुरूआत की । अनावश्यक और खर्चीले प्रशासनतंत्र को व्यवस्थित बनाने के प्रयास हुए । बिना किसी मानक के वित्तीय सिद्धान्तों को नजरन्दाज कर, न्यायपालिका, योजना आयोग, प्रशासनिक सुधार आयोगों की संस्तुतियों और निर्देशों की अवज्ञा कर दलीय राजनैतिक सुविधा को ही केन्द्र बिन्दु मानकर मण्डल और जिले सृजित किये जाने लगे । प्रशासनिक व्यय आसमान छूने लगा । विकास और मूलभूत सुविधाओं के लिए पूंजी का संकट खड़ा हो

गया । लोकहित को सर्वोपरि महत्व देने वाली हमारी सरकार के लिए वित्तीय भार स्वरूप इन 4 मण्डलों एवं 09 जनपदों का अस्तित्व समाप्त करना हमारी मजबूरी थी । हमने अपनी सरकार के राजनैतिक स्वार्थ का बलिदान करते हुए बहुजन हिताय बहुजन सुखाय यह कठोर कदम उठाया । इससे प्रदेश की एकमुश्त लगभग 2310 करोड़ रुपये के अनावश्यक खर्च में कमी आयेगी और इस मद में 270 करोड़ रुपये वार्षिक आवर्तक खर्च आता था, उसकी पूरी बचत होगी । हमारी सरकार प्रदेश की 17 करोड़ जनता की खुशहाली के लिए वचनबद्ध और कृत संकल्प है । इन टूटे हुए मण्डलों और जिलों के बहाने सत्तालोभी तत्व अपना राजनैतिक स्वार्थ सिद्ध करने की ताक में हैं । मुझे इस बात की खुशी है कि प्रदेश की समझदार जनता ने इन कुंठित, दिग्भ्रमित तत्वों के षड़यन्त्र को ठीक से भांप लिया और इन जिलों और मण्डलों की बहाली के बहाने प्रदेश को जलाने के कुटिल प्रयास को ठुकरा दिया । यह इस बात का सबूत है कि इस प्रदेश की कोटि कोटि जनता का आशीर्वाद हमारी सरकार को है । हम अपनी सरकार की ओर से टूटे जनपद और मण्डलों की शालीन जनता को पूर्ण आश्वस्त करते हैं कि हमारी सरकार अपने सोच की आर्थिक शैक्षिक, विकास सम्बन्धी तरक्की के प्रति पूरी कटिबद्ध है । इसलिए विघटित जिलों, मण्डलों के क्षेत्रीय विकास पर विशेष ध्यान दिया जायेगा । सामान्य बजटीय व्यवस्था के अतिरिक्त 10 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि इन क्षेत्रों के विशिष्ट विकास कार्यों के लिए दिये जायेंगे । उन क्षेत्रों की स्वास्थ्य सुविधायें, शिक्षा, सड़क, पुल, विद्युतीकरण, सिंचाई आदि से सम्बन्धित जरूरतों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जायेगा । इन क्षेत्रों में जो बड़े कस्बे होंगे उनके समन्वित विकास के लिए । करोड़ रुपये की विशेष विकास योजनायें बनाई जायेंगी । मण्डल और जिलों के समापन से जिस अनुमानित राशि की बचत होगी उस रकम को इन्हीं क्षेत्रों के विकास पर खर्च कर देने की वचनबद्धता है । साथ ही इन क्षेत्रों के लोगों को प्रशासनिक असुविधा से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जायेंगे ।

मेरी सरकार का यह निश्चित मत है कि प्रदेश का विकास सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव के वातावरण में ही सम्भव है । इसके लिए मेरी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में विधि का शासन स्थापित हो और माननीय न्यायालयों के आदेशों का अनुपालन हो । किसी धर्म या सम्प्रदाय के व्यक्ति को दूसरे धर्म या सम्प्रदाय की धार्मिक भावनाओं में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं होना चाहिए । मेरी सरकार का यह दृढ़ मत है कि अयोध्या के विवाद में माननीय न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा की जानी चाहिये और साम्प्रदायिक सद्भाव को प्रत्येक दशा में बनाये रखा जाना चाहिये ।

प्रशासन तंत्र को सुदृढ़ एवं दक्ष बनाया जाना मेरी सरकार की प्राथमिकता है । मेरी सरकार के अधिकारियों के हृदय में यह भावना होनी चाहिए कि जनता-जनार्दन का कल्याण करने के लिए ही वे बड़े ओहदों पर बैठे हैं । मेरी सरकार अधिकारियों की असंवेदनशीलता कर्तव्यहीनता, दायित्वों के निर्वहन में अपेक्षा, भ्रष्ट आचरण किसी भी दशा में सहन नहीं करेगी । हमारा मानना है कि कुशल प्रबन्धन के द्वारा अधिकांश समस्याओं का निराकरण संभव है । अतः मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रशासकीय व्यवस्था संवेदनशील, जनसमस्याओं के समाधान हेतु तत्पर एवं परिणामपरक हो । मेरी सरकार का विचार है कि आतंकवादी हिंसा, उग्रवाद आर्थिक, सामाजिक समस्याओं की उपज है इसलिए इस मूल समस्या का समाधान केवल प्रशासकीय और पुलिसिया पहलकदमी नहीं है । रोजगार के नये अवसर सृजित कर शिक्षा की व्यापक व्यवस्था द्वारा सामाजिक साम्प्रदायिक सद्भाव कायम कर समाज के दिग्भ्रमित युवाओं को मुख्य धारा में सम्मिलित करने का हमारा दृढ़ संकल्प है । इस दृष्टि से हमारी सरकार उग्रवादी युवाओं की मनोदशा को समाज की तरक्की के रचनात्मक क्षेत्र में लगाने के लिए ऐसे तत्वों, संगठनों और व्यक्तियों से संवाद का रिश्ता भी कायम करना चाहती है ।

प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए मेरी सरकार द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गयी है । प्रभावी नियंत्रण से डकैती, बलवा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति उत्पीड़न, बलात्कार, आगजनी, महिला उत्पीड़न आदि अपराधों में कमी आयी है । अपराधियों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया है ।

कतिपय जनपदों में उग्रवादी गतिविधियां जो पिछले वर्षों में प्रारम्भ हुई थीं, उन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पी०ए०सी० टास्कफोर्स की विशेष टुकड़ियां लगायी गयी हैं । कई आतंकवादी संगठनों के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और उनसे भारी मात्रा में शस्त्र आदि बरामद किये गये हैं । मेरी सरकार नागरिकों के जीवन और उनकी सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए कृतसंकल्प है ।

मेरी सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कल्याण एवं उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है । अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों का उत्पीड़न नहीं होने दिया जायेगा । अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया जायेगा और उनके लिए नये छात्रावास भी निर्मित कराये जायेंगे । अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों को दी जा रही छात्रवृत्ति में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी । इसी प्रकार पिछड़े वर्गों के कल्याण हेतु जो भी कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, उनका प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित किया जायेगा जिससे इनका लाभ उन व्यक्तियों को अवश्य प्राप्त हो जो इस लाभ को पाने के हकदार हैं । मुझे आपको यह अवगत कराते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरी सरकार ने वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना की दर को रुपये 125.00 से बढ़ाकर रुपये 150.00 प्रतिमाह कर दिया है । इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों हेतु भू-स्वामित्व की अधिकतम सीमा 2.5 एकड़ से बढ़ाकर 3.25 एकड़ कर दी गयी है । मेरी सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्प है । अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी । हमारा प्रयास होगा कि मदरसों के आधुनिकीकरण योजना के अन्तर्गत प्रदेश के अधिक से अधिक मदरसों को आच्छादित किया जा सके । अल्पसंख्यक समुदाय को सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए मार्जिन मनी पर ब्याज दर 6 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत कर दी गई है । हमारा उद्देश्य अल्पसंख्यकों का शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास है ।

मेरी सरकार का यह स्पष्ट मत है कि विकलांगजनों को उनका हक एवं अधिकार दिया जाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है । उनके कल्याण हेतु सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया जायेगा । मेरी सरकार विशेष रूप से यह प्रयास करेगी कि समाज में महिलाओं को जो उनका उचित स्थान है वह अवश्य प्राप्त हो । उनके कल्याण हेतु जो भी कार्यक्रम लागू किये जायं उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जाये और उनकी सफलता में संसाधनों की कमी आड़े न आए । महिलाओं के विरुद्ध हो रहे किसी भी प्रकार के अत्याचार एवं शोषण को मेरी सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी और दुराचरण करने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी ।

मेरी सरकार की यह मान्यता है कि समाज में शिक्षक का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान होता है । हमारे स्कूल कालेजों में पढ़ने वाले बच्चों एवं नवजवानों के भविष्य के निर्धारण में शिक्षकों का विशेष योगदान होता है । जो समाज अपने शिक्षकों का आदर करता है वही उन्नति एवं सम्पन्नता की ओर अग्रसर होता है । इन्हीं सद्विचारों को ध्यान में रखते हुए मेरी सरकार ने शिक्षकों की वर्तमान अधिवर्षता आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने का निर्णय लिया है जिससे हमारे शिक्षकों को पारिवारिक एवं आर्थिक कठिनाइयों से उबरने में मदद मिल सके और वे अपने शैक्षणिक कार्यों का और कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सकें ।

प्रदेश में निरक्षरता को दूर करने के लिए प्रारम्भिक शिक्षा पर बल दिया जाना मेरी सरकार की प्राथमिकता होगी । स्कूल चलो अभियान में बच्चों के अतिरिक्त नामांकन और अध्यापक/छात्रों के अनुपात में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जायेगा । अध्यापकों की कमी को दूर करने के लिए विशिष्ट बी०टी०सी० प्रशिक्षण दिलाकर ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों की नियुक्ति करने की व्यवस्था की जायेगी । मुझे आपको अवगत कराते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरी सरकार ने कन्या विद्या धन योजना प्रारम्भ की है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं में शिक्षा की ओर अभिरुचि पैदा हो । उर्दू भाषा की शिक्षा का प्रदेश

में महत्व का आंकलन करते हुए विद्यालयों में उर्दू शिक्षा को और अधिक गतिशील बनाया जायेगा । इसी प्रकार उच्च स्तर की कुशल प्रशिक्षित तकनीकी जन शक्ति की आपूर्ति हेतु विशेष प्रयास किये जायेंगे । मुझे यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि मेरी सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद् के शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भांति अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सामूहिक जीवन बीमा योजना से आच्छादित किये जाने का निर्णय लिया है । शिक्षकों के प्रति कल्याणकारी कदमों को उठाते हुए मेरी सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि अशासकीय सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से संलग्न प्राइमरी प्रभाग (बालक/बालिका) के शिक्षकों/शिक्षिकाओं को भी सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की भांति सेवानिवृत्तिक लाभ यथा पेंशन, पारिवारिक पेंशन, ग्रेच्युटी व जी०पी०एफ० से आवृत्त किया जाय ।

प्रदेश की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु मेरी सरकार सतत् प्रयत्नशील है । चिकित्सा सुविधा का न केवल सुदृढ़ीकरण किया जायेगा बल्कि यह प्रयास किया जायेगा कि अच्छी चिकित्सा सुविधा गरीबों को अत्यन्त कम खर्च पर सुलभ हो सके । चिकित्सा के क्षेत्र में विकास हेतु निजी क्षेत्र की सहभागिता प्राप्त करने का भी प्रयास किया जायेगा । ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने हेतु अप्रवासी भारतीय तथा प्रदेश से जुड़े देश के अन्य भागों में निवास करने वाले इच्छुक नागरिकों से निवेश प्राप्त करने हेतु ''स्वास्थ्य फाउन्डेशन'' का गठन किया गया है जिससे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य की उत्तम सुविधायें उपलब्ध करायी जा सकें । मुझे आपको यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि प्रदेश के अग्रणी विश्वविद्यालय किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ में उत्कृष्ट तकनीकी चिकित्सा सुविधा के लिए इमरजेन्सी एवं अपेक्स ट्रामा सेन्टर स्थापित किया गया है । मेरी सरकार आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धतियों के विकास हेतु भी आवश्यक कदम उठायेगी । पोलियो की बीमारी के समूल उन्मूलन के लिए मेरी सरकार जो भी कार्यवाही आवश्यक है उसे तत्परता से करेगी ।

प्रदेश के शहरी विकास हेतु समस्त शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु मेरी सरकार द्वारा विशेष प्रयास किये जायेंगे । प्रदेश के शहरों में सफाई की व्यवस्था में सुधार सैनीटेशन, पेयजल, स्ट्रीटलाइटिंग, सड़कों आदि पर विशेष ध्यान दिया जायेगा । नदियां हमारी जीवन रेखा हैं । हमारा यह विशेष प्रयास होगा कि प्रदेश की प्रमुख नदियां गंगा, यमुना तथा गोमती के जल को प्रदूषण से मुक्त करने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाय । प्रदेश में न केवल आवासीय सुविधाओं का विस्तार किया जाना आवश्यक है बल्कि यह प्रयास भी किये जाने हैं कि गरीब बेसहारा लोगों को भी छत मुहैया हो सके । प्रदेश के विकास प्राधिकरणों एवं आवास विकास परिषद् द्वारा 65 प्रतिशत भवन/भूखण्ड दुर्बल एवं अल्प आय वाले वर्गों के लिए रखे गये है । प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास को प्रोत्साहित करने एवं उच्चस्तरीय आवासीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए 1500 एकड़ या उससे अधिक भूमि पर न्यूनतम 750 करोड़ रुपये निजी पूंजी निवेश से अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त हाईटेक टाउनशिप विकास नीति मेरी सरकार द्वारा घोषित की गयी है । मेरी सरकार का लक्ष्य है कि स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना के अन्तर्गत अगले वित्तीय वर्ष में 8 हजार स्वरोजगार सृजित किये जायं और 20 हजार लोगों को प्रशिक्षण दिया जाय । नगरीय मजदूरी योजना के अन्तर्गत लगभग 3 लाख मानव दिवस सृजित किये जायेंगे । मलिन बस्तियों के सुधार हेतु अपेक्षित कार्यवाही की जायेगी ।

मुझे यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि प्रदेश के 9100 किलोमीटर के राजमार्गों के उचित रख-रखाव, उच्चीकरण एवं उन पर भारी यातायात की सुगमता के उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा ''उत्तर प्रदेश राज्य मार्ग प्राधिकरण'' के गठन का निर्णय लिया गया है जो एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में कार्य करेगा । मेरी सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए मार्गों एवं सेतुओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए इनके सृजन पर विशेष ध्यान देगी । ग्रामीण सम्पर्क मार्गों के निर्माण कार्य

को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी । बड़ी नदियों के ऊपर सेतुओं के निर्माण के साथ-साथ रेलवे समपारों के स्थान पर उपरिगामी सेतुओं के निर्माण को भी प्राथमिकता दी जायेगी । सम्पादित कराये गये कार्यों की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास किये जायेंगे ।

हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला कृषि है । मेरी सरकार कृषि विकास हेतु एवं किसानों को सभी प्रकार की आवश्यक सुविधायें उनके दरवाजे पर उपलब्ध कराने हेतु कृत संकल्पित है । मेरी सरकार का यह विश्वास है कि खुशहाल एवं समृद्ध किसान ही प्रदेश की समृद्धि एवं विकास की धुरी है । वर्ष 2004-2005 में कृषि उत्पादन की विकास दर 5.1 प्रतिशत रखते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी आवश्यक संसाधनों को प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा । कृषि व्यापार संगठन की पृष्ठभूमि में आवश्यक तैयारी की जायेगी जिससे हमारे किसानों के कृषि उत्पादों की विश्व बाजार में अपनी पहचान बन सके । ग्रामीण आवागमन को विकसित करने हेतु मण्डी परिषद् द्वारा बड़ी संख्या में सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराया जायेगा । ऊसर भूमि के सुधार हेतु विशेष प्रयास सुनिश्चित किये जायेंगे और इसी प्रकार कृषि शिक्षा पर बल दिया जायेगा ।

हमारा प्रदेश भारत का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है । प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गन्ने की खेती का महत्वपूर्ण स्थान है । मेरी सरकार गन्ना किसानों तथा चीनी उद्योग के बीच एक न्यायोचित सम्बन्ध स्थापित कर गन्ना किसानों के हित की रक्षा के लिए कृत संकल्पित है । गन्ना पेराई वर्ष 2002-2003 के अवशेष लगभग 1293 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान मेरी सरकार ने सुनिश्चित किया है । इस हेतु राज्य चीनी निगम तथा सहकारी चीनी निगमों को गन्ना मूल्य भुगतान हेतु लगभग 532 करोड़ रुपये की सहायता भी उपलब्ध करायी गयी है । प्रदेश में उपलब्ध गन्ने की अधिक पेराई करने तथा बीमार और बन्द पड़ी चीनी मिलों के पुनः संचालन/पुनर्वासन एवं विस्तारीकरण के उद्देश्य से राज्य चीनी निगम की 24 मिलों को पट्टे पर देने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है जिसमें पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की गयी है । किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सहकारी एवं निगम की जिन 11 मिलों को बन्द करने का पहले निर्णय लिया गया था उन्हें तुरन्त मरम्मत कराकर चलाने के निर्देश दिये गये हैं ।

प्रदेश के वनों में अवैध कटान तथा अवैध खनन को रोकने और वन भूमि पर अतिक्रमण को हटाने हेतु प्रभावी कार्यवाही किये जाने के लिए मेरी सरकार दृढ़ संकल्पित है । वन माफियाओं को बख्शा नहीं जायेगा और उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जायेगी । प्रदेश की वन सम्पदा में वृद्धि करना हमारा लक्ष्य है ।

मुझे यह सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि मेरी सरकार के द्वारा समग्र ग्राम्य विकास योजना प्रदेश के सम्पूर्ण ग्रामीण विकास के उद्देश्य से शुरू की गयी है । इसमें 16 कार्यक्रमों को शामिल किया गया है :– 1–स्वच्छ पेयजल 2–इन्दिरा आवास 3–स्वच्छ शौचालय निर्माण 4–सम्पर्क मार्ग निर्माण 5–ग्रामों का विद्युतीकरण 6–नाली/खड़न्जों का निर्माण 7–प्राइमरी पाठशाला की स्थापना/भवन निर्माण 8–स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना 9–निःशुल्क बोरिंग 10–वृद्धावस्था पेन्शन 11–विधवा पेन्शन 12–उच्च प्राथमिक पाठशाला की स्थापना/भवन निर्माण 13–कृषि भूमि, सीलिंग से सरप्लस भूमि आवास स्थल, मछली पालन स्थल तथा कुम्हारी कला हेतु स्थल का आवंटन तथा पट्टे पर दी गयी भूमि के कब्जे का सत्यापन 14–विकलांग पेन्शन तथा उपकरण सहायता योजना 15–परिवार कल्याण योजना 16– टीकाकरण ।

ग्रामीण क्षेत्रों में चलायी जा रही स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत आगामी वित्तीय वर्ष में ढाई लाख परिवारों को स्वरोजगार उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य है और सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत 18 करोड़ मानव दिवस के सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । प्रदेश के अधिकाधिक गांवों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाना मेरी सरकार की प्रतिबद्धता है । पंचायतों को

सुदृढ़ बनाने के लिए मेरी सरकार निरन्तर प्रयासरत है । सहकारी समितियों के कार्यों में सुधार लाने हेतु विशेष प्रयास किये जायेंगे जिससे किसानों को अल्पकालीन फसली ऋण एवं कृषि निवेशों यथा उर्वरक, उन्नतिशील बीज तथा कीटनाशक दवाओं के वितरण में और सुधार आये ।

निःशुल्क बोरिंग योजना को कार्यान्वित किये जाने के साथ-साथ निजी नलकूपों के ऊर्जीकरण पर मेरी सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जायेगा । फसलों की सामयिक एवं पर्याप्त सिंचाई की कृषि उत्पादन में मुख्य भूमिका को ध्यान में रखते हुए मेरी सरकार ने नहरों की सफाई कराकर उनकी टेल तक पानी पहुंचाने के कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है और इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 25,000 किलोमीटर लम्बाई में सिल्ट सफाई का कार्य किया गया है ।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में दुग्ध व्यवसाय के महत्व को ध्यान में रखते हुए किसानों को दुग्ध का लाभकारी मूल्य दिलाने एवं दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए मेरी सरकार सतत् प्रयत्नशील है । इसी प्रकार उन्नत पशु प्रजनन, पशु स्वास्थ्य, पशु प्रबन्धन और पशु पोषण के क्षेत्रों में बेहतर प्रबन्धन पर विशेष बल दिया जायेगा । किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत खाद्यान्न का क्रय बिना बिचौलियों के किये जाने हेतु मेरी सरकार प्रतिबद्ध है । कालाबाजारी एवं मुनाफाखोरी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जायेगी एवं गरीबों को राशन से मिलने वाली सामग्री के वितरण की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जायेगा ।

प्रदेश के संसाधनों में व्यापार कर का महत्वपूर्ण योगदान होता है । जहां एक ओर मेरी सरकार करापवंचन को रोकने के लिए रणनीति बनाकर प्रभावी कार्यवाही करेगी वहीं दूसरी ओर व्यापारियों का अनावश्यक उत्पीड़न भी नहीं होने दिया जायेगा । मुझे आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरी सरकार ने व्यापार कर विभाग में पंजीकृत व्यापारियों के लिए लागू जोखिम जीवन व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना में बीमा की राशि को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये करने का निर्णय लिया है । व्यापार कर की दरों को युक्तिसंगत किये जाने पर विचार किया जायेगा जिससे जहां एक ओर राजस्व में बढ़ोत्तरी हो वहीं दूसरी ओर कर की दर इस प्रकार की हो कि अधिकांश व्यापारी उसे स्वेच्छा से जमा करने के लिए प्रोत्साहित हों ।

मेरी सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है । इस ओर महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मेरी सरकार ने उत्तर प्रदेश विकास परिषद् का गठन किया है । विकास परिषद् को देश के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों की सहभागिता प्राप्त है । यह इस प्रदेश का सौभाग्य है कि उत्तर प्रदेश विकास परिषद् के माध्यम से प्रदेश को देश के अग्रणी औद्योगिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योगपतियों और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों के परामर्श एवं अनुभव का लाभ प्राप्त हो रहा है । प्रदेश के औद्योगिकीकरण के लिए निजी क्षेत्र की सहभागिता प्राप्त की जायेगी और उद्यमियों को उचित सम्मान एवं सुविधायें उपलब्ध करायी जायेंगी जिससे औद्योगिकीकरण में अपेक्षित गति आ सके ।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मेरी सरकार खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र के चतुर्मुखी विकास हेतु प्रयासरत है । 25,000 बुनकरों को वर्ष 2004-2005 में रोजगार सुलभ कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के त्वरित विकास हेतु मेरी सरकार वर्तमान में उपलब्ध अवस्थापना सुविधाओं को उच्चीकृत करने हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है । औद्योगिक विकास के लिए यह अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है कि विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता हो । मुझे आपको सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि प्रदेश सरकार ने नयी ऊर्जा नीति की घोषणा की है जो प्रदेश के विकास में मील का पत्थर है । नयी ऊर्जा नीति ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने तथा प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति के लिए किये जा रहे प्रयासों की दिशा में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कदम है । आगामी 5 वर्षों में प्रदेश के समस्त ग्रामों को विद्युतीकृत किये जाने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा । निजी क्षेत्र की

सहभागिता प्राप्त करने हेतु पारदर्शी प्रक्रिया अपनायी जायेगी और उत्पादन, पारेषण तथा वितरण तीनों क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की सहभागिता को प्रोत्साहित किया जायेगा ।

प्रदेश में खेलों के विकास के लिए अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु मेरी सरकार प्रयत्नशील है । प्रदेश के खिलाड़ियों के मनोबल को ऊंचा रखने के लिए सफल खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा ।

हमारा प्रदेश देश का सबसे पहला प्रदेश है जिसने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी को अपनी राजभाषा घोषित किया । सभी शासकीय कार्यों को हिन्दी में सम्पादित किया जाना मेरी सरकार की नीति है । उर्दू प्रदेश की द्वितीय राजभाषा है और मेरी सरकार उर्दू भाषा के विकास के लिए भी प्रयत्नशील है ।

प्रदेश में विकास कार्यों को गति प्रदान करने हेतु मेरी सरकार द्वारा त्वरित आर्थिक विकास योजना प्रारम्भ की गयी है । इस योजना में विशेष रूप से मूलभूत सुविधायें यथा-स्कूल, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क, सिंचाई आदि से सम्बन्धित योजनाओं का वित्त पोषण किया जाता है ।

माननीय सदस्यगण, मैंने आपके सामने सरकार की प्रमुख नीतियों और कतिपय प्रमुख कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूप रेखा प्रस्तुत की है । विधान मण्डल के इस सत्र में आपके सामने वित्तीय वर्ष 2004-2005 का आय-व्ययक तथा चालू वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक मांगें भी प्रस्तुत की जायेंगी और तत्सम्बन्धी विनियोग विधेयक पारित करने की अपेक्षा की जायेगी । विगत सत्र के बाद कुछ अध्यादेश प्रख्यापित किये गये हैं जिनको प्रतिस्थापित करने वाले विधेयक तथा कुछ अन्य विधेयक आपके विचारार्थ प्रस्तुत किये जायेंगे ।

हमें विश्वास है कि आज प्रदेश के समस्त वासियों का आशीर्वाद और उत्साहवर्धन हमारी सरकार के साथ है । कोई सरकार प्रदेश वासियों की असीम अनुकम्पा के अभाव में अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर सकती । हमारी सरकार अपनी पूरी रचनात्मक, सृजनशील शक्ति के साथ इस प्रदेश को भारत का व्यवस्थित और सम्पन्न राज्य के रूप में विकास करना चाहती है । अभी तो शुरुआत है । बहुमुखी विकास के लिए भगीरथ प्रयास की जरूरत है । पूरे देश का एक पिछड़ा प्रदेश होने का कलंक हमें शीघ्र धो देना चाहते हैं । इसके लिए लक्ष्य की स्पष्टता, रास्ते का निरापद होना, सत्य, निष्ठा और लगन का होना आवश्यक है । हमारी सरकार इन सभी कसौटियों पर खरी उतरती है । इसलिए आप सभी माननीय सदस्यों को विकास के इस महायज्ञ में दलगत स्वार्थों को त्यागकर आहुति देने का आह्वान करते हुए आप सभी का आभार प्रकट करते हैं ।

जय हिन्द ।

विधान सभा उप निर्वाचन में निर्वाचित मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव द्वारा शपथ-ग्रहण

श्री अध्यक्ष–

माननीय मुख्य मंत्री जी की शपथ होनी है । माननीय मुख्य मंत्री जी शपथ ले लें ।

(सत्तापक्ष के सदस्यों के द्वारा मेजें थपथपाई गईं)

(श्री अध्यक्ष द्वारा मुख्य मंत्री जी को विधान सभा की सदस्यता की शपथ दिलाई गई)

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा पुनः मेजें थपथपाई गईं)

श्री प्रमोद कुमार–

माननीय मुख्य मंत्री जी हम लोगों की बिरादरी के काबिल हो गये हैं, वह चुनाव जीत गये हैं इसलिए हम उनको बधाई देते हैं । मैं दुःख भी व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरा रिकार्ड तोड़ दिया है ।

नेता विरोधी दल (श्री लालजी टण्डन)–

अध्यक्ष महोदय, प्रमोद कुमार जी के बूथ कैपचरिंग के रिकार्ड को मुख्यमंत्री जी ने तोड़ दिया है, उनकी विजय के ऊपर मैं उनको बधाई देता हूं और अपनी शुभकामनायें देता हूं ।

उत्तर प्रदेश किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2004 †

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, (संशोधन) अध्यादेश, 2004 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या–1 सन् 2004) को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग (निरसन) अध्यादेश, 2004

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग (निरसन) अध्यादेश, 2004 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या–2 सन् 2004) को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2003, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 10 दिसम्बर, 2003 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2003, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 10 दिसम्बर, 2003 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश छत्रपति शाहू जी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश छत्रपति शाहू जी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 09 दिसम्बर, 2003 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 12 दिसम्बर, 2003 को वापस प्राप्त हो गया ।

नोट :– † छापे नहीं गये ।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2003, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 09 दिसम्बर, 2003 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 12 दिसम्बर, 2003 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 10 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 11 दिसम्बर, 2003 को वापस प्राप्त हुआ था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का सातवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 04 मार्च, 2003 की बैठक में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का आठवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 10 दिसम्बर, 2003 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का नौवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश सहकारी समिति (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 की बैठक में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 09 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का दसवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश व्यापार-कर (संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश व्यापार-कर (संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 09 दिसम्बर, 2003 को वापस प्राप्त हुआ था राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का ग्यारहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 05 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 10 दिसम्बर, 2003 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का बारहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश छत्रपति शाहू जी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 09 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 11 दिसम्बर, 2003 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का तेरहवां अधिनियम बन गया ।

सिविल प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, सिविल प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 04 मार्च, 2003 की बैठक में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 14 नवम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था, राष्ट्रपति महोदय की अनुमति दिनांक 19 दिसम्बर, 2003 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2003 का उत्तर प्रदेश का चौदहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2003

प्रमुख सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2003 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 09 दिसम्बर, 2003 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 11 दिसम्बर, 2003 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 03 जनवरी, 2004 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2004 का उत्तर प्रदेश का पहला अधिनियम बन गया ।

श्री अध्यक्ष–

मद संख्या–10 एवं 11 में कुछ नहीं है मद संख्या–12 लेते हैं ।

दिनांक 11 फरवरी, 04 के पूर्वाह्न 11 बजे वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के प्रस्तुतिकरण पर व्यवस्था का प्रश्न

श्री हुकुम सिंह–

मान्यवर, इसी मद को लेकर मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । वैसे तो कार्यमंत्रणा समिति की जो सिफारिश होती है उसमें कोई आपत्ति नहीं की जाती लेकिन मान्यवर, जो कार्यसूची प्राप्त हुई है उसमें 11 तारीख, बुधवार को वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के प्रस्तुतिकरण का समय 11.00 बजे पूर्वाह्न रखा गया है । मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि विपक्ष के पास एक ही हथियार होता है वह है प्रश्न प्रहर । उसको भी काटकर 11 बजे यह रखा जाना हमारे लिए सही नहीं है । मेरा आग्रह है कि आप 10 तारीख का प्रस्ताव स्वीकार कर लें और दोबारा कार्यमंत्रणा समिति से सिफारिश कर लें कि 11.00 बजे प्रश्न प्रहर रखा जाये ।

श्री मोहम्मद आजम खां (संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री)–

मान्यवर, कार्यमंत्रणा समिति में भी यह बात आयी थी । ऐसा नहीं है कि प्रश्नकाल किसी भी हालत में स्थगित नहीं होना चाहिए, लेकिन कभी-कभी अपरिहार्य कारणों से ऐसा करना होता है और इसमें आपकी तरफ से सहमति मौजूद है । जो भी लोग सत्ता में होते हैं वह विपक्ष के इस प्रस्ताव को मजबूरीवश मानने को तैयार होते हैं । क्योंकि परिषद् में बजट को पेश होना है और अगर ढाई-तीन बजे तक नहीं लेंगे तो यह पास नहीं हो सकेगा इसलिए यह इजाजत चाही थी ।

श्री हुकुम सिंह–

इसमें परिषद् वाली बात समझ में नहीं आ रही है । यह तो आप पूरा बजट ले रहे होंगे तो फिर उसी दिन परिषद् में जाने की क्या बात है ?

मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

माननीय हुकुम सिंह संसदीय कार्य मंत्री रहे हैं और यह परम्परा यहीं विधान सभा में नहीं हो रही है, संसद हमारी आदर्श हैं वहां पर बजट ठीक 11.00 बजे पेश होता है और उस दिन कोई कामकाज नहीं होता है । यह काम इनके पक्ष में किया जा रहा है जितनी आलोचना कर सकते हों करें अगर कमियां हैं, उसमें सुधार किया जा सकता है । जितना बोलना आप चाहें बोलें । यह संसद में 11.00 बजे पेश होता है और अभी भी हुआ है । यही विधान सभा में हो तो इस संसद के इस आदर्श का पालन करते हुए हमारा अनुरोध है कि कार्य मंत्रणा समिति की जो सिफारिश है और जो परम्परा है उसमें सहयोग करें ।

श्री हुकुम सिंह–

कोई अपरिहार्य कारण हो, कोई विवशता हो तो ठीक है । यह पहला दिवस है और उस रोज प्रस्तुत करने जा रहे हैं, फिर सामान्य चर्चा होगी और फिर ग्रान्ट्स रखेंगे । अगर कोई विवशता है, समय नहीं है तो विपक्ष भी समर्थन देता है और सहयोग देता है लेकिन कोई कारण तो ऐसा हो । आप निर्धारित परम्परा से अलग हट रहे हैं । संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि परिषद् में जाना है तो यह क्या है ? पूरक मांग हो या फिर लेखानुदान हो तो यह हो सकता है । यह तो सामान्य प्रक्रिया है । मुख्यमंत्री जी यहां पर विराजमान हैं अगर बहुत ज्यादा प्रतिष्ठा का सवाल न बनायें तो इस पर पुनर्विचार कर लें ताकि सामान्य चर्चा भी हो सके ।

श्री मोहम्मद आजम खां–

यह तो कार्य मंत्रणा समिति का अधिकार है । उसी में यह तय हुआ था तो इस फैसले पर इतनी लम्बी बहस क्यों ? फिर नेता सदन के अनुरोध के बाद ?

श्री अध्यक्ष–

उस तारीख के पहले अगर कोई कार्य मंत्रणा समिति की बैठक होगी तो उसमें विचार कर लेंगे ।

कार्य मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष–

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने दिनांक 3 फरवरी, 2004 की अपनी बैठक में विधान सभा के दिनांक 04 फरवरी से 10 मार्च, 2004 तक के उपवेशनों का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिश की है :–

फरवरी, 2004

4 बुधवार — 1–11.00 बजे पूर्वाह्न

राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष श्री राज्यपाल का अभिभाषण ।

2–12.30 बजे अपराह्न

(1) श्री राज्यपाल के अभिभाषण का पढ़कर सुनाया जाना ।

(2) औपचारिक कार्य, यथा अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों आदि का सदन के पटल पर रखा जाना, विधेयकों का पुरःस्थापन आदि, यदि कोई हों ।

5 गुरुवार — 1–निधन के निर्देश ।

2–श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा ।

3–5.00 बजे अपराह्न

वित्तीय वर्ष 2003-04 के अनुपूरक अनुदानों का प्रस्तुतिकरण ।

6 शुक्रवार
7 शनिवार
8 रविवार — वैठक नहीं होगी ।
9 सोमवार

10 मंगलवार — 1–12.30 बजे अपराह्न

वित्तीय वर्ष 2003-2004 के अनुपूरक अनुदानों पर चर्चा, मांगों पर विचार एवं मतदान तथा तत्सम्बन्धी विनियोग विधेयक का पुरःस्थापन उस पर विचार एवं उसका पारण ।

2–श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

11 बुधवार — 1–11.00 बजे पूर्वाह्न

वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक का प्रस्तुतिकरण ।

	2–श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा ।
	3–विधायी कार्य ।
12 गुरुवार	1–श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा ।
	2–विधायी कार्य ।
13 शुक्रवार	असरकारी दिवस (आधा दिन + आधा दिन, दिनांक 06 फरवरी, 2004 के स्थान पर) ।
14 शनिवार	वैठक नहीं होगी ।
15 रविवार	
16 सोमवार	वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा ।
17 मंगलवार	
18 बुधवार	(महाशिवरात्रि का अवकाश) वैठक नहीं होगी ।
19 गुरुवार	वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा ।
20 शुक्रवार	
21शनिवार	
22 रविवार	वैठक नहीं होगी ।
23 सोमवार	
24 मंगलवार	
25 बुधवार	वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान ।
26 गुरुवार	
27 शुक्रवार	
28 शनिवार	वैठक नहीं होगी ।
29 रविवार	
<u>मार्च, 2004</u>	
1 सोमवार	वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान ।
2 मंगलवार	(मोहर्रम का अवकाश) वैठक नहीं होगी ।
3 बुधवार	
4 गुरुवार	वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान ।
5 शुक्रवार	
6 शनिवार	(होली का अवकाश) वैठक नहीं होगी ।
7 रविवार	

उत्तर प्रदेश विधान सभा

8 सोमवार — वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान ।

9 मंगलवार

10 बुधवार — 1–वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान ।

2–4.00 बजे अपराह्न

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2004 का सदन की अनुज्ञा से पुरःस्थापन, उस पर विचार एवं उसका पारण ।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि "यह सदन कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश से, जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, सहमत है ।"

श्री अध्यक्ष–

प्रश्न यह है कि कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव, जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया है, से यह सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ ।)

श्री अध्यक्ष–

मद संख्या–13 में कुछ नहीं है । अब हम उठते हैं, कल दिनांक 05 फरवरी, 2004 को पूर्वाह्न 11.00 बजे पुनः बैठेंगे ।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 12 बजकर 53 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया ।)

लखनऊ :

दिनांक : 04 फरवरी, 2004

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

पी०एस०यू०पी०–एल० 12 विधान सभा (26)–30-4-2004–(813) (डी०टी०पी०) ।